

प्रेषक,

अमिताभ श्रीवास्तव,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल,
देहरादून।

संख्या- 115/ VI-1/2004

युवा कल्याण अनुभाग

देहरादून : दिनांक 02 नवम्बर 2004

विषय:-जनपद पौड़ी में निर्माणाधीन हेतु केन्द्रांश की धनराशि के आवंटन के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-823/दो-1023/2004-05 दिनांक 02 नवम्बर, 2004 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद पौड़ी के अन्तर्गत विभिन्न स्थलों, रांसी, कोट एवं बूंगीधार में निर्माणाधीन स्टेडियमों हेतु केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकृत धनराशि रु० 47.00 लाख (रु० सैंतालीस लाख मात्र) के निम्न तालिका के कॉलम-7 के अनुसार व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र०सं०	योजना का नाम	कुल स्वी० धनराशि	केन्द्रांश	सांसद निधि द्वारा व्यय की जाने वाली धनराशि	सांसद निधि से स्वीकृत धनराशि	वित्तीय वर्ष 2004-05 में स्वीकृत केन्द्रांश की धनराशि
1	2	3	4	5	6	7
1-	आउटडोर स्टेडियम रांसी, जनपद पौड़ी गढ़वाल	35.37	26.52	9.85	8.30	20.00
2-	आउटडोर स्टेडियम बूंगीधार, जनपद पौड़ी गढ़वाल	39.17	27.00	12.17	6.09	13.50
3-	आउटडोर स्टेडियम कोट, जनपद पौड़ी गढ़वाल	36.62	27.00	9.62	4.81	13.50
4-	कुल योग	111.16	80.52	31.64	19.20	47.00

2-कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

- 3-कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय तना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 4-एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राविधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 5-कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 6-कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्वैता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाये।
- 7-उक्त धनराशि का उपयोगिता प्रमाण वित्तीय वर्ष के अन्त तक अवश्य उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- 8-उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2004-05 में अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-4202-खेलकूद, शिक्षा तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय-03-खेलकूद तथा युवा सेवायें-102-खेलकूद स्टेडियम-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें-0103-ग्रामीण क्षेत्रों में खेल अवस्थाना सुविधाओं का विकास-24-वृहत निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।
- 9-यह आदेश वित्त विभाग के अशा0सं0-947/वि0अनु0-2/2004 दिनांक 20 नवम्बर, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय
(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव

- पृ0प0संख्या- /VI-1/2004-2 2004, तददिनांकित।
- प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
- 1-महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल देहरादून।
 - 2-निजी सचिव, भा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल।
 - 3-वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
 - 4-निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर।
 - 5-नियोजन अनुभाग।
 - 6-वित्त अनुभाग-2।
 - 7-गार्ड फाइल।

आज्ञा से
(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव